Mahendra's

UP POLICE कांस्टेबल/ UP लेखपाल

HINDI

वाच्य

भाग–1

LIVE 03:00 PM

वाच्य (Voice)

क्रिया के उस परिवर्तन को वाच्य कहते हैं, जिसके द्वारा इस बात का बोध होता है कि वाक्य के अन्तर्गत कर्ता, कर्म या भाव में से किसकी प्रधानता है।

अथवा

क्रिया के जिस रूप से यह ज्ञात हो कि उसके प्रयोग का आधार कर्ता, कर्म या भाव है, उसे वाच्य कहते हैं। हैं –

वाच्य के भेद -

(1) कर्तृवाच्य (Active Voice)
(2) कर्मवाच्य (Passive Voice)
(3) भाववाच्य (Impersonal Voice)

1. कर्तृवाच्य	2. कर्मवाच्य	3. भाववाच्य
↓	↓	↓
क्रिया का मुख्य संबंध कर्ता के साथ	क्रिया का मुख्य संबंध कर्म के साथ	क्रिया का मुख्य संबंध भाव के साथ अर्थात क्रिया खुद ही मुख्य हो जाए

क्रिया-जिन शब्दों से किसी कार्य का होना या करना व्यक्त होता है, उन्हें क्रिया कहते हैं, जैसे- खाना, पीना, सोना, हँसना ।

क्रिया के भेद-रचना की दृष्टि से क्रिया के दो भेद हैं -

1.सकर्मक क्रिया- जो क्रिया कर्म के साथ आती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं, जैसे -

मोहन फल खाता है।

सीता गीत गाती है।

2.अकर्मक क्रिया- अकर्मक क्रिया के साथ कर्म नहीं होता तथा उसका फल कर्ता पर पड़ता है, जैसे -

राधा रोती है।

मोहन हँसता है।

1. कर्तृवाच्य- जिस वाक्य में कर्ता की प्रमुखता होती है अर्थात क्रिया का प्रयोग कर्ता के लिंग, वचन, कारक के अनुसार होता है और इसका सीधा संबंध कर्ता से होता है तब कर्तृवाच्य होता है।

जैसे—मोहन फल खाता है।

(कर्ता–एकवचन, पुल्लिंग) → (क्रिया–एकवचन पुल्लिंग)

लड़कियाँ गीत गाती हैं।

(कर्ता–बहुवचन स्त्रीलिंग) → क्रिया–बहुवचन

अर्थात इन वाक्यों में क्रिया के प्रयोग का आधार इनके कर्ता हैं।

अतः ये कर्तृवाक्य हैं।

2. कर्मवाच्य-

जिस वाक्य में कर्म की प्रधानता होती है तथा क्रिया का प्रयोग कर्म के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार होता है और कर्ता की स्थिति में स्वयं कर्म होता है, वहाँ कर्मवाच्य होता है।

जैसे –

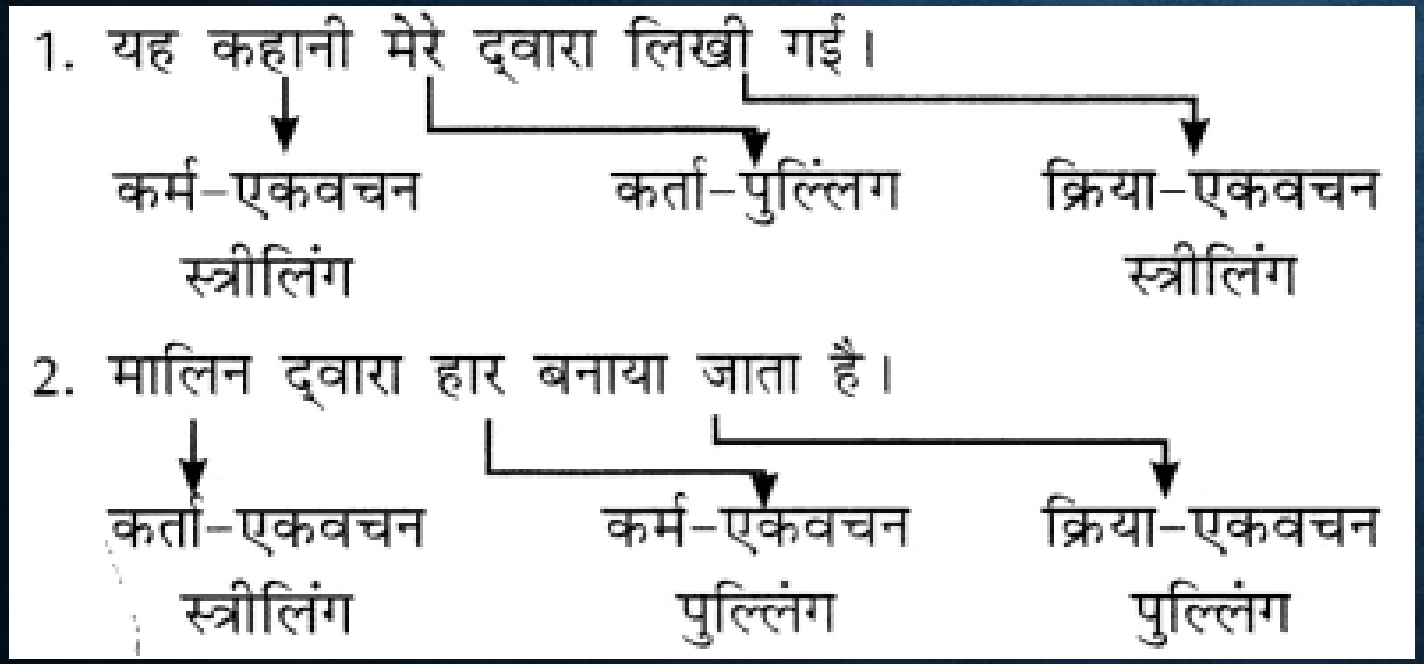

अन्य उदाहरण –

- मोहन के द्वारा लेख लिखा जाता है।
- हलवाई द्वारा मिठाइयाँ बनाई जाती हैं।
- चित्रकार द्वारा चित्र बनाया जाता है।
- रूपाली द्वारा कढ़ाई की जाती है।

3.भाववाच्य –

इस वाच्य में कर्ता अथवा कर्म की नहीं बल्कि भाव अर्थात् क्रिया के अर्थ की प्रधानता होती है;
अथवा
क्रिया के जिस रूप में न तो कर्ता की प्रधानता हो न कर्म की, बल्कि क्रिया का भाव ही प्रधान हो, वहाँ भाववाच्य होता है।

जैसे –
मरीज से उठा नहीं जाता।
पहलवान से दौडा नहीं जाता।
मोहन से टहला भी नहीं जाता।
मुझसे उठा नहीं जाता।
धूप में चला नहीं जाता।

वाच्य के सम्बन्ध में महत्त्वपूर्ण बिंदु-

- कर्तृवाच्य में अकर्मक और सकर्मक दोनों प्रकार की क्रिया का प्रयोग किया जाता है।
- कर्मवाच्य में कर्म उपस्थित रहता है और क्रिया सकर्मक होती है।
- भाववाच्य – कुछ महत्त्वपूर्ण तथ्य
- इस वाच्य में प्रायः नकारात्मक वाक्य होते हैं।
- भाववाच्य में अकर्मक क्रिया का प्रयोग होता है।
- भाववाच्य में प्रयुक्त क्रिया सदा पुल्लिंग अकर्मक और एकवचन होती है।

- ऐसी धूप में कैसे चला जाएगा।
- विधवा से रोया भी नहीं जाता।
- इस मोटे व्यक्ति से उठा नहीं जाता।

1.“राम खाना खाकर चला गया।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

2.“मोहन से चला नहीं जाता।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

3.“आज निश्चित होकर सोया जाएगा। ” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

4.“ड्राईवर बस चलाता जा रहा था।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

5.“ राधा रोती हैं ।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य

(2) कर्मवाच्य

(3) भाववाच्य

(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

6.“किसान खेत में खाद डालता हैं।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

7.“कुम्हार द्वारा मिटटी के बर्तन बनाये जाते हैं।”
वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

8.“वह रामलीला देख रहा है ।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

(2) कर्मवाच्य

(3) भाववाच्य

(4) कर्तृवाच्य

9.“तन्वी रात भर सो न सकी। ” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

10.“अक्षर से एक भी गेंद नहीं फेंकी गई।”
वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

11.“चलो घूमने चला जाए।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं ?

(1) कर्तृवाच्य
(2) कर्मवाच्य
(3) भाववाच्य
(4) कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य

कारकों की पहचान-

- कर्ता क्रिया को संपन्न करनेवाला
- कर्म क्रिया से प्रभावित होने वाला
- करण क्रिया का साधन या उपकरण
- संप्रदान जिसके लिए कोई क्रिया संपन्न की जाए
- अपादान जहाँ अलगाव हो वहाँ ध्रुव या स्थिर में अपादान होता है।
- संबंध जहाँ दो पदों का पारस्परिक संबंध बताया जाए।
- अधिकार जो क्रिया के आधार(स्थान,समय,अवसर)आदि का बोध कराए।
- संबोधन किसी को पुकार कर संबोधित किया जाय

1. **कर्ता-** क्रिया को सम्पन्न करने वाला। **ने**
2. **कर्म-**क्रिया से प्रभावित होने वाला। **को**
3. **करण–**क्रिया का साधन (उपकरण) । **से, के द्वारा**
4. **सम्प्रदान–** जिसके लिए क्रिया सम्पन्न की गई हो। **को,के लिए**
5. **अपादान-** जहाँ अलगाव दिखाया जाए। **से**
6. **सम्बन्ध –**जहाँ दो पदों का सम्बन्ध दिखाया जाए। **का,की,के /ना ,नी,ने /रा,री,रे**
7. **अधिकरण–** क्रिया का आधार। **में,पर** (स्थान,समय,अवसर)
8. **सम्बोधन-**किसी को पुकारने के लिए लगाया गया शब्द। **हे,अरे**

वृक्ष से पत्ते गिरते हैं- इस वाक्य में कौन-सा कारक हैं?

(a)कर्म
(b)अपादान
(c)करण
(d) अधिकरण

'वह घर से बाहर गया। इस वाक्य में कौन-सा कारक है?

(a) कर्ता
(b) कर्म
(c)अपादान
(d) करण

- तुम खूब पढ़ो और कुल का नाम रोशन करों वाक्य है - इच्छा वाचक
- फ वर्ण का उच्चारण स्थान है – ओष्ठ

- छत्तीसगढ़ी बोली आती है - पूर्वी हिन्दी के अंतर्गत
- गढ़वाली (हिन्दी) बोली आती है- पहाड़ी हिन्दी के अन्तर्गत

- 'ज्ञ' बनता है ज् + ञ के मेल से
- हिन्दू शब्द मूलतः किस भाषा का है - फारसी भाषा

- किस अलंकार में जनु, मनु, जानो शब्दों का प्रयोग होता है - उत्प्रेछा
- "नीलगाय" में कौन सा सभास है - कर्मधारय समास

- कमल नयन" में कौन सा समास है - कर्मधारय समास
- **“ राधा रोती हैं ।” वाक्य में कौन सा वाच्य हैं - कर्तृवाच्य**

साँप	नाग, सर्प, भुजंग
सिंह	शेर, केसरी, वनराज, मृगेन्द्र, मृगपति
सूर्य	रवि, आदित्य, दिनकर, दिनमणि, दिनेश, दिवाकर, प्रभाकर, भानु, सूर
सृजन	रचना, उत्पन्न करना, निर्माण, बनाना
सेवक	नौकर, अनुगामी, दास, अनुचर
सोना	हिरण्य, कनक, कलधौत, स्वर्ण, सुवर्ण, हाटक, हेम, कंचन, चामीकर
स्त्री	महिला, नारी, औरत, वनिता
हनुमान	मारुति, रामदूत, पवनकुमार, अंजनीपुत्र, कपीश्वर, केशरीनंदन

धन्यवाद